## बच्चों में दिव्य गुणों का संचार करती है- निरंकारी बाल सतसंग।

6 जुलाई 2018: बच्चें गीली मिट्टी की तरह होते है, उन्हें जिस भी रूप में ढालों ढल जातें है। इसी कच्ची उम्र में सही दिशा और सही सांचे में ढालने का कार्य करती है, निरंकारी बाल सत्संग।

उपरोक्त उद्गार मुंबई में आयोजित जोनल स्तरीय बाल समागम में मुख्य मंच से दिया गया।

इस बाल समागम की श्रृंखला का आरंभ मुंबई में पिछले महीने ही संत निरंकारी सत्संग भवन, साठे नगर, ऐरोली, शहाड़, उल्हासनगर एवं कुरार विलेज, मलाड में 24 जून 2018 एवं इसका अंतिम चरण 1 जुलाई, 2018 को संत निरंकारी सत्संग भवन, चेम्बूर में हुआ।

भारी वर्षा के बावजूद भी मुंबई, नवी मुंबई, उल्हासनगर इत्यादि स्थानों से 10000 से भी अधिक श्रद्धालु भक्तो ने अपने बच्चों के साथ इस समागम में  भाग लिया।

मुख्य मंच से यही संदेश दिया गया की इंसान तभी सही मार्ग पर चल पाएगा गर मानवीय मूल्यों की  शिक्षा बचपन से ही दी जाएं। बड़ो का आदर, भेद भाव रहित प्रेम, मीठे बोल की उत्तम शिक्षा निरंकारी बाल सत्संग बचपन से ही बच्चों को प्रदान कर रही है। निरंकारी बाल सत्संग उनमे सकारात्मक सोच एवं मानव मात्र की सेवा का नीव बचपन से ही डाल देती है जो आगे चलकर उनके सही आचरण निर्माण में सहायक सिद्ध होता  है।

बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मिशन की शिक्षाओं पर विचार एवं कविता के माध्यम से प्रकाश डाला। पवित्र हरदेव बाणी के गायन से वातावरण आनंदविभोर हो गया। निरंकारी मिशन के संस्थापक बाबा बूटा सिंह जी महाराज के जीवनी पर प्रकाश डालने हेतु प्रश्नमंजूषा का भी आयोजन किया गया जिसमे प्रतियोगी बच्चों के साथ सत्संग में उपस्थित बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। निरंकारी मिशन के अनमोल रतनों से रूबरू कराने हेतु निरंकारी किड्स डीवाईन के वीडियो क्विज का आयोजन किया गया था ताकि बच्चे इन जीवनी से प्रेरणा भी लें और किड्स डीवाईन कि ओर आकर्षित भी हो।

मुंबई जोन की ओर से स्थानीय प्रबंधको ने सतगुरु माताजी का शुकर करते हुए आयी हुई समस्त साधसंगत का आभार व्यक्त किया | हर स्थान पर सत्संग समाप्ति के पश्चात लंगर की व्यवस्था की गयी थी |